सरस्वती वंदना

Saraswati Vandana • वंदना • देवनागरी

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना॥
या ब्रह्माच्युतशङ्करप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा॥

सरस्वति नमस्तुभ्यं वरदे कामरूपिणि।
विद्यारम्भं करिष्यामि सिद्धिर्भवतु मे सदा॥

रचना / पाठ-परंपरा: पारंपरिक सरस्वती वंदना; दो प्रचलित श्लोक पारंपरिक पाठ; वर्तनी और पाठांतर संभव हैं।